लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी के भाषण के मुख्य बिन्दु

नई दिल्ली – 6 अक्तूबर, 2008

श्री विजय कुमार मल्होत्रा दिल्ली में जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख स्तम्भों में से एक रहे हैं।

उनसे मेरा सम्बन्ध लगभग उस समय से बना हुआ है जब मैं सन् 1957 में राजस्थान से दिल्ली आया था।

दस वर्ष बाद जब दिल्ली मेट्रोपॉलिटन कौंसिल (दिल्ली महानगर परिषद्) बनी, हम दोनों सहयोगी बने–वे परिषद् के मुख्य कार्यकारी पार्षद और मैं परिषद् का चेयरमैन बना।

आज वे लोकसभा में मेरे सहयोगी हैं। वे सदन के उपनेता के रूप में कार्य कर रहे हैं।

मुझे इस बात का **'दुःख'** है कि मुझे 15वीं लोकसभा में उनका साथ नहीं मिल पाएगा क्योंकि वे अगले संसदीय चुनाव नहीं लड़ेंगे।

परन्तु मुझे इस बात की **खुशी** भी है कि **वे दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री होंगे।**

भारतीय जनता पार्टी ने प्रोफेसर मल्होत्रा को दिल्ली के अगले विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में चुना है। मुझे इसमें कोई सन्देह नहीं है–मेरी पार्टी के भीतर अथवा बाहर भी किसी को संशय नहीं है–कि भारतीय जनता पार्टी उनके नेतृत्व में एक निर्णायक जनादेश हासिल करेगी।

मैं पार्टी की दिल्ली ईकाई को बधाई देता हूं कि उसने प्रो0 मल्होत्रा के नेतृत्व में अगले चुनाव लड़ने के निर्णय पर मजबूत एकता दिखाई है। मैं विशेष रूप से डा0 हर्षवर्धन, श्री विजय गोयल और श्री जगदीश मुखी की सराहना करता हूं कि उन्होंने दिल्ली की जनता के बीच पार्टी की शक्ति और प्रतिष्ठा बढ़ाने में काफी योगदान दिया है।

श्रीमती शीला दीक्षित हमारी बहुत अच्छी मित्र हैं। उन्होंने पिछले 10 सालों से दिल्ली पर लगातार शासन किया है लेकिन उन्हें अब कुछ आराम करने की जरूरत है।

***

पिछले दशकों में किसी दूसरे शहर ने इतनी तेजी से तरक्की नहीं की है जितनी कि दिल्ली ने। दिल्ली का न केवल आबादी और आकार में ही बदलाव आया है बल्कि इसके स्वरूप में भी परिवर्तन आया है।

देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली हमेशा विश्वबंधुत्व की प्रतीक रही। **दिल्ली का समाज विभिन्न फूलों वाले एक सुन्दर गुलदस्ते के समान रहा है। अब पिछले दशकों में इसकी सुन्दरता और आकर्षण को बढ़ाते हुए विभिन्न रंगों और किस्मों के फूल इस गुलदस्ते का हिस्सा बन गये हैं।**

दिल्ली आज पंजाबियों, बिहारियों, उत्तरप्रदेशवासियों, बंगालियों, उड़ीसावासियों, तमिलों, तेलुगुभाषियों, कन्नड़भाषियों, मलयालियों, कश्मीरियों.......वास्तव में, देश के हर प्रान्त के लोगों का घर है।

असमी, नगा, मिजो, गोरखा और दूसरे अनेक लोग जो पूर्वोत्तर के निवासी हैं भी, दिल्ली में रहते हैं। मुझे दिल्ली में मणिपुरी प्रवासी संघ द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

दिल्ली में सभी धार्मिक समुदायों के लोग रहते हैं।

सभी दिल्लीवाले और दिल्लीवासी हैं – सभी का समान दर्जा, समान अधिकार और समान जिम्मेदारियां हैं।

मुंबई जैसे कुछ शहरों में कतिपय साम्प्रदायिक ताकतें यह दावा कर रही हैं कि वह शहर केवल कुछेक समुदायों का है और दूसरे लोग 'बाहरी' हैं और इसलिए वे अवांछनीय हैं। यह एक फूट डालने वाला और खतरनाक रवैया है। भारतीय जनता पार्टी ऐसी ताकतों का कड़ा विरोध करती है।

दिल्ली सभी का ख्याल रखती है और सभी को दिल्ली का ख्याल रखना चाहिए।

दिल्ली सभी की है और सभी दिल्ली वाले हैं।

बंगलादेशी घुसपैठिए ही एक ऐसा वर्ग है जो दिल्ली वाला नहीं हो सकता – और दिल्ली उनकी नहीं हो सकती।

उन्हें भारत से जाना होगा। भारत के अन्य भागों विशेषकर असम में अवैध घुसपैठ करने वाले बंगलादेशियों को ही भारत छोड़कर जाना पड़ेगा।

पिछले कई दिनों से असम में हिंसक घटनाएं घट रही हैं। इन घटनाओं में काफी लोग मर गए हैं। ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं? बंगलादेशी नागरिक इतनी बड़ी संख्या में बोड़ो क्षेत्रों में कैसे घुसे? राज्य सरकार ने अपनी आंखें क्यों बंद की हुई हैं? केन्द्र सरकार ने अपनी आंखें क्यों मूंद रखी हैं?

मैंने कल समाचार–पत्रों में केन्द्रीय गृहमंत्री का एक वक्तव्य पढ़ा है कि उड़ीसा में संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू करने की संभावना है।

हम चर्चों तथा निर्दोष ईसाइयों पर हुए हमलों की निन्दा करते हैं। हम उड़ीसा में स्वामी लक्ष्मणानन्द और उनके शिष्यों की हत्या की भी भर्त्सना करते हैं। हिंसा और बर्बरता समाप्त होनी चाहिए।

लेकिन यदि कांग्रेस पार्टी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का षड़यंत्र रचकर उड़ीसा की घटनाओं को राजनीतिक रंग देना चाहती है तो मैं भी उनको चेतावनी देता हूं कि वे ऐसी गलती न करें।

***

दिल्ली में अगली सरकार को तीन महत्वपूर्ण कार्य करने होंगे। उन कामों को प्रभावी ढंग से और सफलतापूर्वक अंजाम देना भारतीय जनता पार्टी का दिल्ली की जनता से पक्का वादा है।

1- दिल्ली को विश्व की एक सर्वोत्तम राजधानी के रूप में विश्व–श्रेणी का शहर बनाना।

2- दिल्ली की गरीब तथा मध्यम श्रेणी की जनता के लिए अच्छे आवास बनाकर, सभी के लिए अच्छी आधारभूत सुविधाएं (सड़कें, बिजली, जलापूर्ति आदि) मुहैया कराकर तथा बेहतर सामाजिक सेवाएं (शिक्षा, स्वास्थ्य–देखभाल, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा आदि) उपलब्ध कराकर उनके जीवन–स्तर में सुधार लाना।

3. आतंकवाद के खतरे तथा अन्य खतरों से दिल्ली के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

इन कार्यों को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार को निश्चय ही केन्द्र सरकार के पूरे सहयोग और मदद की जरूरत पड़ेगी। मेरा वादा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन (एन.डी.ए.) की अगली सरकार इन तीन वादों को पूरा करने में श्री मल्होत्राजी की सरकार के साथ पूरा सहयोग करके कार्य करेगी।

मैं चाहता हूं कि दिल्ली नगर निगम जिसमें भारतीय जनता पार्टी का बहुमत है, दिल्ली को विश्व का एक सर्वोत्तम और अधिक कुशलतापूर्वक संचालित शहर बनाने के सपने को साकार करने हेतु अपना पूरा योगदान दे।

आने वाले दिनों में हमारी पार्टी के कार्यकर्ता शहर और प्रदेश के हर हिस्से में जाएं तथा दिल्ली की जनता के प्रत्येक वर्ग से सम्पर्क करें। हमें उनसे विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को एक निर्णायक जनादेश देने का अनुरोध करना होगा।

और मुझे विश्वास है कि दिल्ली के लोग उत्साहपूर्वक हमें अपना समर्थन देंगे।

धन्यवाद